Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 13-03-2006
Participants : Malhotra Prof. Vijay Kumar

an>

Title :Reported incident of murder of two lawyers in Delhi on 12 March, 2006.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष जी, कल दिल्ली में एक बहुत ही जघन्य हत्याकांड हुआ है। उसमें स्वर्णा महाजन और उनकी बेटी अनुराधा महाजन, जो कि हाई कोर्ट में एडवोकेट थीं,उन दोनों के हाथ-पैर बाँधकर तथा गले में दुपट्टे बाँधकर हत्या की गई। महिलाओं और बुजुर्गों की हत्याओं के अनेक केस पिछले दिनों हुए हैं। कालका जी में पांच मार्च को गुलशन कपूर नामक महिला की हत्या हुई, ग्रेटर कैलाश में सचदेव खोसला और उनकी पत्नी संतोा खोसला की हत्या हुई, शालीमार बाग में 60 वर्षीय विधवा महिला की हत्या हुई, मुखर्जी नगर में रामप्यारी व पंडिताइन नामक दो महिलाओं की हत्या हुई, भजनपुरा में महिला की हत्या हुई और इसी प्रकार से लगभग 30-35 केस हैं, जोकि पिछले एक वर्ा में हुए हैं। महिलाओं की हत्या और बलात्कार के केस लगातार हो रहे हैं। अपहरण के मामले ज्यादा हो रहे हैं। दिल्ली क्राइम कैपिटल आफ इंडिया बनती जा रही है। गृह मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, मैं उनसे अनुरोध करना चाहता हूं कि दिल्ली में जिस तरह से बुजुर्गों और महिलाओं की हत्याएं हो रही हैं, कोई महिला अपने आपको सुरक्षित नहीं समझती है। यह देश के लिए शर्म की बात है कि राजधानी में ऐसी स्थिति पैदा हुई है। गृह मंत्री जी इस बात को स्वीकार करेंगे कि जितने अंडरवर्ल्ड के लोग हैं, बाहर के गैंग हैं, अपराधी गैंग हैं, वे दिल्ली में आते हैं और हत्याएं करके बाहर चले जाते हैं। उन पर कोई रोकटोक नहीं है। उनके लिए कोई आइडेंटिटीकार्ड का मामला नहीं है। इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

मैं गृह मंत्री जी से यह भी जानना चाहता हूं कि जब उत्तर प्रदेश और बिहार की बात होती है, उस समय मंत्री जी कहते हैं कि यह राज्य का मामला है और इसका केंद्र के साथ कोई ताल्लुक नहीं है। परन्तु दिल्ली का लॉ एंड आर्डर सीधे-सीधे गृह मंत्रालय के पास है। दिल्ली सरकार का इसमें कोई दखल नहीं है। जब गृह मंत्रालय के पास दिल्ली का लॉ एंड आर्डर है, तो दिल्ली की इस तरह की स्थिति बनना लज्जाजनक है। कम-से-कम मंत्री जी इस बात को देखें कि सिक्योरिटी में ज्यादा पुलिस लगी हुई है। वीआईपी सिक्योरिटी में, आंदोलन में और मकानों की तोड़फोड़ में सारा दिन पुलिस लगी रहती है। इन कामों के लिए अलग पुलिस बना दी जाए और जो लॉ एंड आर्डर का मामला है, उसके लिए अलग पुलिस बनाने की आवश्यकता है।

दिल्ली के लॉ एंड आर्डर का सीधा संबंध केंद्र से है। दिल्ली के 10 सांसद, जिनमें से 7 सांसद लोकसभा के और 3 सांसद राज्य सभा के हैं। इनमें से 9 सांसद कांग्रेस पार्टी के हैं। मैं माननीय मंत्री जी से यह भी पूछना चाहता हूं कि क्या एक भी बैठक किसी संसद सदस्य के साथ या दिल्ली की जनता द्वारा चुने गए

नुमाइंदों के साथ की गई है? क्या इस तरह की बैठकों का सिलसिला शुरू किया जाएगा, इसके बारे में माननीय गृह मंत्री जी बताएं? आज के इस जघन्य हत्याकांड से सारी दिल्ली के लोगों में सनसनी फैली हुई है और डर का वातावरण है। सारे देश में इस संबंध में बहुत चिंता है, गृह मंत्री जी इसे गंभीरता से लें।

MR. SPEAKER: Shri S. Mallikarjuniah. Do you want to speak in Kannada?

SHRI S. MALLIKARJUNIAH (TUMKUR): Yes.

MR. SPEAKER: Let me see whether the Kannada Interpreter is there. I think he is not there. Please send for the Interpreter. Shri Mallikarjuniah, please wait for a few minutes.

Chaudhary Lal Singh to speak now.